नम्बर व तारीख हुक्म	...म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो हुक्म की तामील में जारी हुए
	पेश हुई। सरकार पैरोकार ... की ओर से मृतक श्री ... ह के कायम मुकाम की रिपोर्ट ... जो शामिल पत्रावली हो। पत्रावली दिनांक 31/1/25 को पेश हो।	
..25	[illegible] 31/1/25 [illegible]	
21/1/25	पत्रावली पेश हुई। सरकार पैरोकार उप० प्रार्थी महावीर वगै० एवं अधिवक्ता उप० आवेदक की ओर से प्रार्थना पत्र 01 R 10 पर बहस की गई। जो सुनी गई। पत्रावली आदेश प्रार्थना पत्र 01 R 10 वास्ते दिनांक 31/1/25 को पेश हो।	
31/01/25	पत्रावली वास्ते आदेश प्रार्थनापत्र 01 R 10 CPC प्रस्तुत हुई। प्रार्थीगण महावीर, ..., लखन नाबालिग जरिये वली माता श्रीमती ... द्वारा प्रार्थनापत्र अन्तर्गत 01 R 10 प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि हस्तगत प्रकरण में प्रतिवादी क्रम ① मोती पुत्र हीरा का स्वर्गवास 17.5.16 को हो	

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स ज[…]
	हुआ है लेकिन वारिसान प्रकरण[…] आवश्यक पक्षकार है। अतः उन्हें रिक[…] पर लिया जावे। प्रतिवादी क्र. (2) द्वारा जवाब आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है कि प्रतिवादी क्र. (1) के वारिसान को रिकार्ड पर लिया जावे, साथ ही प्रतिवादी (2) द्वारा यह भी निवेदन किया गया है कि प्रतिवादी गुलनन्दन सिंह का भी देहान्त हो चुका है अतः गुलनन्दन सिंह के स्थान पर उनकी पुत्री गुरविन्दर कौर को भी रिकार्ड पर लिया जावे। हमने पत्रावली व संलग्न दस्तावेजों का गहनतापूर्वक आलोचनात्मक अध्ययन किया। तहसीलदार कानपुर द्वारा मृतक प्रतिवादी गुलनन्दन सिंह के चार वारिस दर्शाये गए हैं। लेकिन पत्रावली में संलग्न जमाबन्दी व इन्तकाल से प्रमाणित

कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो हुक्म की तामील में जारी हुए
है कि शेष तीन वारिसान द्वारा गुरविन्दर कौर के पक्ष में हकत्याग कर दिया गया है तथा राजस्व रिकार्ड में वर्तमान में गुलविन्दर सिंह के स्थान पर एकमात्र गुरविन्दर कौर का नाम दर्ज रिकार्ड है। अतः प्रार्थनापत्र आंशिक रूप से स्वीकार किया जाकर मृतक प्रतिवादी गुलविन्दर सिंह के स्थान पर उनकी पुत्री गुरविन्दर कौर को रिकार्ड पर लिया जाना है। इसी प्रकार महावीर व अन्य द्वारा प्रस्तुत प्रार्थनापत्र अधीन न्यायनिर्णय भी आंशिक रूप से स्वीकार कर मृतक प्रतिवादी के पुत्र महावीर को रिकार्ड पर लिया जाना है। पत्रावली वास्ते संशोधित वादपत्र 17/4/25 को पेश हो। [signature] 3/04/25	